दैनिक

राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

स्कूल ऑफ़ मैनेजमेंट साइंसेज लखनऊ में हुआ स्टार्टअप परिक्रमा-7 का आयोजन

गोसाइगंज स्थित स्कूल ऑफ़ मैनेजमेंट साइंसेज लखनऊ में तकनीकी शिक्षा गुणवत्तासुधार कार्यक्रम (TEQIP-III) एवं डॉ. ऐ.पी.जे. अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ के सोजन्य से शुक्रवार एक कार्याशाला- "Entrepreneurship: Creativity Meets Opportunity" डॉ. कलाम स्टार्टअप परिक्रमा- 7 के अंतर्गत आयोजित की गयी।

कार्यशाला का शुभारम्भ मुख्य अतिथि डॉ. आनंद मिश्रा, निदेशक, नियोजन, उत्तर प्रदेश एवं सह निदेशक श्री घनशयाम यादव ने दीप प्रज्वलित कर किया कार्याशाला में विभिन्न कालेजों के अनेक छात्र-छात्राओं नें भाग लिया डॉ. कलाम स्टार्टअप कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ऐकेटीयू स्टार्टअप के सलाहकार-इन्जीनियर अभिषेक नंदन एवं श्री सौरभ सिंह नें छात्र-छात्राओं को इस कार्यक्रम के विषय से अवगत कराते हुए उभरते हुए उद्यमियों को उनके सपनों को साकार करने का अवसर दिखाया जिससे वे ने केवल अपने अपितु अनेकों परिवारों का भरण-पोषण कर जीवन को एक नयी दिशा दे सकते हैं। मुख्य अतिथि डॉ. आनंद मिश्रा, निदेशक, नियोजन, उत्तर प्रदेश एवं सह निदेशक श्री घनशयाम यादव ने छात्रों को सरकार द्वारा चलाये जा रहे उद्योग स्थापित करनें सम्बंधित परियोजनाओं के विषय में जानकारी प्रदान की। उन्होंने सरकार द्वारा अनुदान राशि की भी बात की जिसमें सरकार नए उद्यमियों को 'स्टेट यूनिवर्सल फण्ड' से धनराशि उपलब्ध करानें की बात की। श्री सुशील अग्रवाल, एम.डी., गोबिंद इंडस्ट्रीज, बाराबंकी नें छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि छात्र मन का भाव कि मुझे कुछ करना है÷ पर केन्द्रित होकर आगे बढ़े। न्यूजेनएप्प्स की सह-संस्थापक श्रीमती लता रस्तोगी नें भी अपनी कंपनी 'न्यूजेनएप्प्स' की स्थापना से सम्बंधित जानकारी छात्रों को देते हुए बताया कि किस प्रकार वे इस मुकाम पर पहुंची। उन्होंने कहा कि हमें अपने प्रतिभा को दूसरे प्रदेशों में जाने देने से बचाना चाहिए और इस प्रतिभा को अपने प्रदेश की उन्नति में लगाना चाहिए।संस्थान के निदेशक प्रोफ. मनोज मेहरोत्रा ने कार्यक्रम के अवसर पर उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों, विशिष्ट अतिथि, कीनोट स्पीकर्स, शिक्षकगण, उपस्थित छात्रों, मीडियाकर्मी का अभिवादन करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम अति महत्वपूर्ण हैं क्योंकि इससे हम उन छुपी प्रतिभाओं को अवसर प्रदान कर सकतें हैं जिन्हें धन के आभाव से अपना उद्यम स्थापित करनें का अवसर प्राप्त नहीं हो पाता प्रोफ. मेहरोत्रा नें कहा कि सरकार के ÷मेक इन इंडिया÷ विज़न को डॉ. कलाम स्टार्टअप कार्यक्रम से बेहतर और कोई प्लेटफार्म नहीं मिल सकता उन्होंने कहा कि हम सब डॉ. ऐ.पी.जे. अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ के कृतार्थ हैं जिसने इस प्रकार की पहल की है जहाँ हम छात्रों को उनवे सुनहरे सपनों को चरितार्थ करनें में सहयोग कर सकतें हैं। संस्थान के महानिदेशव प्रोफ.भारत राज सिंह ने इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. आनंद मिश्रा, निदेशक योजना, उत्तर प्रदेश, श्रीमती लता रस्तोगी, सह-संस्थापक, न्यूजेनएप्प्स तथा श्र सुशील अग्रवाल, एम.डी., गोबिंद इंडस्ट्रीज, बाराबंकी एवं अन्य गणमान्य व्यक्तिर का अभिवादन करते हुए कहा कि डॉ. कलाम स्टार्टअप परिक्रमा कार्यक्रम कार्यक्रम वे द्वारा डॉ. ऐ.पी.जे. अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ 40 स्टार्टअप परिक्र कार्यक्रम का आयोजन करेगी जिसमें वह चयनित छात्रों को मेंटरशिप प्रदान कर रियत टाइम इन्वेस्टर्स से मिलाएगी ताकि वह अपने उद्योग को स्थापित करनें तथा सरकार वे 'मेक इन इंडिया' विज़न को चरितार्थ करने में सहयोग करेगी7 प्रोफ. सिंह नें बताया वि किस प्रकार संस्थान के सी.वी.रमन सेंटर फॉर रिसर्च एंड इनोवेशन के अंतर्गत छात्रों विभिन्न इनोवेटिव प्रोजेक्ट्स जैसे- Android Controlled Pick & Place Robotic Arm Vehicle , Micro Hydro Turbine Solar Power Charge Controller बनाकर संसथान का नाम रोश किया है। छात्र-छात्राओं नें स्टार्टअप कार्यक्रम के अंतर्गत अपने-अपने नवप्रवर्तनशील विचारों को प्रदर्शित किया कार्याशाला में छात्रों के इनोवेटिव आइडियाज की सराहना भ हुई छात्रों के इनोवेटिव आईडिया को स्टार्टअप देनें के लिए कीनोट स्पीक श्रीमती लत रस्तोगी, सह-संस्थापक, न्यूजेनएप्प्स तथा श्री सुशील अग्रवाल, एम.डी., गोबि इंडस्ट्रीज, बाराबंकी, मौजूद रहे जिन्होंने छात्रों को कार्यक्रम का विषय "Entrepreneurship: Creativity Meets Opportunity" वि महत्ता के बारे में जागरूक किया और उनको उनके सपनों को साकार करनें का मा दिखाया। कार्यक्रम में संसथान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं सचिव श्री शरद सि ने उपस्थित रहकर छात्रों का मनोबल बढाया।

छात्र-छात्राओं नें स्टार्टअप पिचिंग प्रतियोगिता के अंतर्गत उद्यमिता को बढाने र सम्बंधित अपनें नवप्रवर्तनशील विचारों को प्रदर्शित किया। कार्यशाला के समापन वे उपरांत चयनित छात्र-छात्राओं को उनके नवप्रवर्तनशील विचारों के लिए पुरस्कृ किया गया। प्रथम स्थान पर एस.एम.एस. लखनऊ के शुभम वर्मा; द्वितीये स्थान प एस.एम.एस. लखनऊ के रोहित कुमार तिवारी तथा तृतीये स्थान पर मोरादाबा इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी के सूर्य प्रताप सिंह रहे। इन छात्रों को पुरस्कार राशि वे रूप में क्रमशः रु 10,000; 5,000 तथा 3,000 का नगद पुरस्कार वितरित किय गया।